हरियाणा बजट विश्लेषण

2025-26

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने 17 मार्च, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए हरियाणा का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद** (जीएसडीपी) (वर्तमान मूल्यों पर) 13,47,486 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 11% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 1,69,229 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 15% अधिक है। इसके अलावा राज्य द्वारा 70,789 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया जाएगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर)** 1,33,234 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 17% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **राजस्व घाटा** जीएसडीपी का 1.53% (20,600 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व घाटा जीएसडीपी का 1.47% (17,848 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी का 2.7% (35,995 करोड़ रुपए) रहने का लक्ष्य है। संशोधित अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.7% रहने की उम्मीद है जो 2.8% के बजटीय अनुमान से थोड़ा कम है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **महिलाओं को नकद हस्तांतरण**: महिलाओं को 2,100 रुपए प्रति माह की वित्तीय सहायता देने के लिए लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की जाएगी। 2025-26 में इस योजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
- **कौशल विकास**: फाइनल ईयर के 2,000 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री युवा कौशल सम्मान योजना शुरू की जाएगी। उन्हें प्रति माह 10,000 रुपए का मानदेय मिलेगा।
- **हरियाणा एआई मिशन**: हरियाणा एआई मिशन शुरू किया जाएगा। गुरुग्राम और पंचकूला में एक-एक एआई हब बनाया जाएगा। ये हब हरियाणा के 50,000 से अधिक पेशेवरों को नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण देंगे।
- **धान की खेती**: मेरा पानी, मेरी विरासत योजना के तहत धान की खेती छोड़ने वाले किसानों के लिए सबसिडी 7,000 रुपए से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति एकड़ की जाएगी। धान की सीधी बुवाई के लिए सबसिडी 4,000 रुपए से बढ़ाकर 4,500 रुपए प्रति एकड़ की जाएगी।
- **जिला अस्पतालों का उन्नयन**: प्रत्येक जिला अस्पताल को सीटी-स्कैन, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, ब्लड एनालाइजर और डिजिटल एक्स-रे मशीनों जैसे अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा। प्रत्येक जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में 50 बिस्तरों वाला क्रिटिकल केयर ब्लॉक स्थापित किया जाएगा।
- **प्राकृतिक खेती**: 2025-26 में एक लाख एकड़ भूमि को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया जाएगा।

ऋत्विक उपाध्याय
rutvik@prsindia.org

28 मार्च, 2025

हरियाणा की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में हरियाणा के जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) में पिछले वर्ष की तुलना में 8% की वृद्धि का अनुमान है। इसकी तुलना में 2023-24 में भारत की जीडीपी में 9.2% की वृद्धि का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2023-24 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का हरियाणा की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 18%, 29% और 53% योगदान होने का अनुमान है (वर्तमान मूल्यों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में हरियाणा की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (वर्तमान मूल्यों पर) 3,61,993 रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2022-23 की तुलना में 10% की वृद्धि है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2022-23 की तुलना में 11% बढ़कर 2,15,935 रुपए होने का अनुमान है।

रेखाचित्र 1: हरियाणा में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी

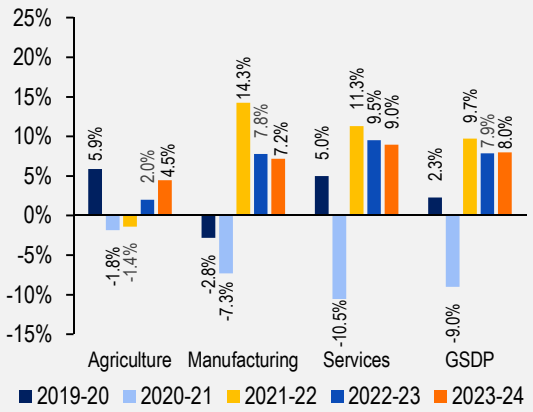

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 1,69,229 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। इसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 15% की वृद्धि है। यह व्यय 1,33,234 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारियों को छोड़कर)** और 35,561 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करना प्रस्तावित है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारियों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 17% की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है।
- राज्य ने 2025-26 में जीएसडीपी के 1.53% (20,600 करोड़ रुपए) के **राजस्व घाटे** का अनुमान लगाया है, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में 1.47% के राजस्व घाटे का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 2.7% (35,995 करोड़ रुपए) पर लक्षित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 2.7%) के समान है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	1,92,366	2,19,877	2,10,314	-4%	2,40,017	14%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	59,194	64,044	63,744	-0.5%	70,789	11%
शुद्ध व्यय (E)	**1,33,172**	**1,55,832**	**1,46,569**	**-6%**	**1,69,229**	**15%**
कुल प्राप्तियां	1,90,452	2,19,361	2,10,163	-4%	2,39,584	14%
(-) उधारियां	88,721	97,163	96,150	-1%	1,06,350	11%
*जिनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण**	1,702	1,093	1,680	54%	2,000	19%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**1,01,731**	**1,22,198**	**1,14,013**	**-7%**	**1,33,234**	**17%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**31,441**	**33,635**	**32,556**	**-3%**	**35,995**	**11%**
जीएसडीपी का %	2.9%	2.8%	2.7%		2.7%	
राजस्व घाटा	**11,881**	**17,817**	**17,848**	**0.2%**	**20,600**	**15%**
जीएसडीपी का %	1.1%	1.5%	1.5%		1.5%	
प्राथमिक घाटा	**9,836**	**8,493**	**7,863**	**-7%**	**9,764**	**24%**
जीएसडीपी का %	0.9%	0.7%	0.6%		0.7%	
जीएसडीपी	**10,85,510**	**12,16,044**	**12,13,951**	**-0.2%**	**13,47,486**	**11%**

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *केंद्र सरकार 2020-21 से राज्य सरकारों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। इन ऋणों को राज्य की उधार सीमा की गणना से बाहर रखा गया है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 1,48,417 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 14% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर होने वाला व्यय शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 16,164 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 27% अधिक है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है। संशोधित अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में पूंजीगत परिव्यय बजट से 22% कम होने का अनुमान है। पूंजीगत परिव्यय में सबसे अधिक कटौती वाले प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं: (i) कृषि (990 करोड़ रुपए), (ii) परिवहन (933 करोड़ रुपए), (iii) शिक्षा (269 करोड़ रुपए), और (iv) सिंचाई (165 करोड़ रुपए)।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम (एडवांस) 4,648 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 39% अधिक है।

लाडो लक्ष्मी योजना

महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए की वित्तीय सहायता देने के लिए लाडो लक्ष्मी योजना की घोषणा की गई है। 2025-26 में इस योजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह हरियाणा की राजस्व प्राप्तियों का 4% होने का अनुमान है। हाल के वर्षों में कुछ अन्य राज्यों ने भी महिलाओं के लिए नकद हस्तांतरण योजनाएं शुरू की हैं। इनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश शामिल हैं।

वर्ष 2025-26 में हरियाणा के राजस्व व्यय में वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 17,945 करोड़ रुपए (14% वृद्धि) की वृद्धि का अनुमान है। इस अवधि में राज्य के राजस्व घाटे में 2,752 करोड़ रुपए (15%) की वृद्धि होने का अनुमान है।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	1,13,196	1,34,456	1,30,472	-3%	1,48,417	14%
पूंजीगत परिव्यय	15,921	16,281	12,753	-22%	16,164	27%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	4,055	5,095	3,345	-34%	4,648	39%
शुद्ध व्यय	**1,33,172**	**1,55,832**	**1,46,569**	**-6%**	**1,69,229**	**15%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में हरियाणा द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 74,701 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 58% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 25%), पेंशन (13%), और ब्याज भुगतान (21%) पर खर्च शामिल है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 61% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	26,196	29,542	29,185	-1%	31,975	10%
पेंशन	13,497	15,000	15,000	0%	16,495	10%
ब्याज भुगतान	21,605	25,142	24,693	-2%	26,231	6%
कुल	**61,298**	**69,684**	**68,878**	**-1%**	**74,701**	**8%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान हरियाणा के बजटीय व्यय का **57%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में हरियाणा के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: हरियाणा बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बअ	2024-25 संअ	2025-26 बअ	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %	बजटीय प्रावधान 2025-26
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	17,391	20,774	19,779	21,295	8%	▪ सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के लिए 8,258 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	12,645	14,415	15,456	19,828	28%	▪ लाडो लक्ष्मी योजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	7,241	9,541	9,017	9,674	7%	▪ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत अनुदान हेतु 892 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	7,907	7,919	6,060	8,908	47%	▪ एक्सटेंशन और किसानों के प्रशिक्षण के लिए 820 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	6,053	6,389	6,683	7,588	14%	▪ जिला पुलिस के लिए 5,397 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	4,890	7,326	5,677	7,379	30%	▪ राज्य वित्त आयोग के सुझावों पर ग्रामीण निकायों को अनुदान हेतु 2,221 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	8,187	7,053	8,230	6,372	-23%	▪ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को वित्तीय सहायता के लिए 5,603 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शहरी विकास	3,902	6,225	4,245	6,227	47%	▪ नगर पालिकाओं और नगर परिषदों की सहायता के लिए 1,541 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	5,239	6,323	5,604	6,100	9%	▪ प्रमुख सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 1,424 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सड़कें एवं पुल	3,997	4,051	3,951	3,808	-4%	▪ सड़क निर्माण कार्यों पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 1,751 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**57%**	**57%**	**56%**	**57%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 1,27,817 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 13% अधिक है। इसमें से 1,02,478 करोड़ रुपए (80%) राज्य **अपने संसाधनों से** जुटाएगा और 25,339 करोड़ रुपए (20%) **केंद्र से** प्राप्त होंगे। केंद्र से मिलने वाले संसाधन केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से (राजस्व प्राप्तियों का 12%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 8%) के रूप में होंगे।
- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 15,547 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 9,792 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 25% अधिक है। 2024-25 में केंद्रीय अनुदान बजट से 18% कम होने का अनुमान है। 2024-25 में अनुमानित कमी केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के लिए कम अनुदान के कारण हो सकती है। 2024-

25 में सीएसएस अनुदान का बजटीय अनुमान 5,657 करोड़ रुपए था, लेकिन संशोधित चरण में यह 19% कम है।

- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: हरियाणा का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 92,144 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 12% अधिक है। 2025-26 में जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 6.8% रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों के समान है। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 6.7% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	72,511	84,551	81,944	-3%	92,144	12%
राज्य के स्वयं गैर कर	8,103	9,243	8,772	-5%	10,334	18%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	12,345	13,332	14,066	6%	15,547	11%
केंद्र से सहायतानुदान	8,355	9,512	7,843	-18%	9,792	25%
राजस्व प्राप्तियां	**1,01,315**	**1,16,639**	**1,12,624**	**-3%**	**1,27,817**	**13%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	416	5,559	1,389	-75%	5,417	290%
शुद्ध प्राप्तियां	**1,01,731**	**1,22,198**	**1,14,013**	**-7%**	**1,33,234**	**17%**

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** के स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (46% हिस्सा) होने का अनुमान है। 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में राज्य जीएसटी राजस्व में 12% की वृद्धि होने का अनुमान है।
- 2025-26 में स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 18% अधिक होने की उम्मीद है। 2024-25 में इस स्रोत से संग्रह बजट अनुमान से 7% कम होने का अनुमान है।
- 2025-26 में राज्य उत्पाद शुल्क से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 11% अधिक होने का अनुमान है।

विनिवेश प्राप्तियां

विनिवेश से तात्पर्य किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम में हिस्सेदारी की बिक्री से अर्जित प्राप्तियों से है। 2024-25 में राज्य ने 4,870 करोड़ रुपए की विनिवेश प्राप्तियों का अनुमान लगाया है। संशोधित चरण में ये प्राप्तियां 700 करोड़ रुपए (86% कम) होने का अनुमान है।

राज्य लगातार कई वर्षों से अपने विनिवेश लक्ष्य को पूरा करने में असमर्थ रहा है। 2021-22 में उसने विनिवेश के लिए अपने बजटीय लक्ष्य का केवल 1.3% ही पूरा किया। 2022-23 में लक्ष्य का 1.4% और 2023-24 में 2.2% पूरा हुआ।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	33,960	37,498	37,500	0.01%	42,021	12%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	10,529	15,101	14,049	-7%	16,555	18%
राज्य उत्पाद शुल्क	11,326	12,650	12,650	0%	14,064	11%
सेल्स टैक्स/वैट	11,331	13,200	11,800	-11%	12,750	8%
वाहन कर	4,904	5,404	5,250	-3%	6,000	14%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	424	656	650	-1%	700	8%
भूराजस्व	22	28	28	0%	35	25%
जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान	3,505	-	-	-	-	-

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

हरियाणा के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2005 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व संतुलन: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। राज्य को 2025-26 में 20,600 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 1.5%) का राजस्व घाटा होने का अनुमान है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.7% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में सुधार के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी।

ऋण स्थिरता

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, किसी राज्य के ऋण को तब सस्टेनेबल यानी स्थिर माना जा सकता है, जब: (i) सार्वजनिक ऋण की वृद्धि दर नॉमिनल जीएसडीपी वृद्धि से कम हो और (ii) जीएसडीपी की वृद्धि दर प्रभावी ब्याज दर से अधिक हो।

2017-18 और 2022-23 के बीच हरियाणा का बकाया ऋण 13% की वार्षिक दर से बढ़ा है, जबकि इसका नॉमिनल जीएसडीपी 9% की दर से बढ़ी है। आरबीआई के अनुसार, मार्च 2025 तक हरियाणा का बकाया ऋण जीएसडीपी का 30.4% होने का अनुमान है। यह एफआरबीएम समीक्षा समिति (2017) द्वारा सुझाए गए जीएसडीपी के 20% से अधिक है।

स्रोत: राज्य वित्त: 2024-25 के बजट का एक अध्ययन, आरबीआई।

संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.7% रहने का अनुमान है। यह जीएसडीपी के 2.8% के बजट अनुमान से कम है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2025-26 के अंत में बकाया ऋण जीएसडीपी का 26.2% होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 26.1%) से थोड़ा अधिक है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

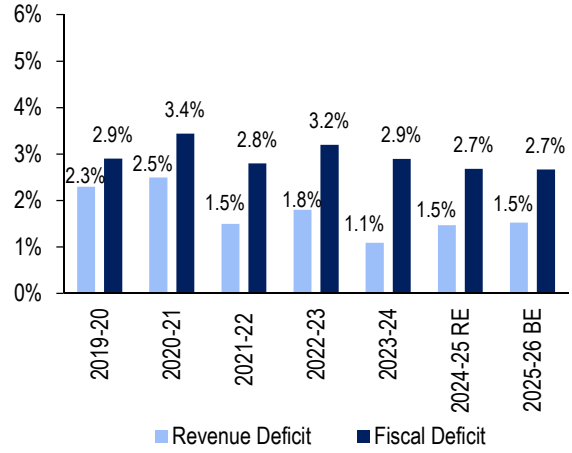

नोट: RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया देनदारियां (जीएसडीपी का %)

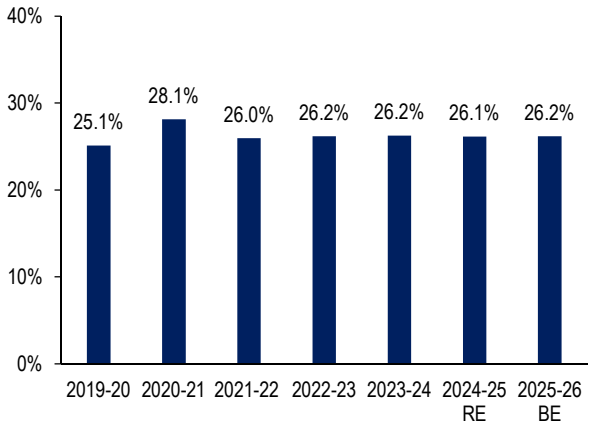

नोट: RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, हरियाणा बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थानों से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। 31 मार्च, 2024 तक राज्य की बकाया गारंटी 24,215 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो हरियाणा की जीएसडीपी का 2% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में हरियाणा के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (हरियाणा सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: हरियाणा ने 2025-26 में अपने व्यय का 12.9% शिक्षा के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से कम है।
- **स्वास्थ्य**: हरियाणा ने 2025-26 में अपने व्यय का 5.9% स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से कम है।
- **ग्रामीण विकास**: हरियाणा ने 2025-26 में अपने व्यय का 4.5% ग्रामीण विकास के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से कम है।
- **सड़कें और पुल**: हरियाणा ने 2025-26 में अपने व्यय का 2.3% सड़कों और पुलों के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा सड़कों और पुलों के लिए औसत आवंटन (4.3%) से कम है।
- **कृषि**: हरियाणा ने 2025-26 में अपने व्यय का 5.4% कृषि के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आवंटन (6.3%) से कम है।
- **शहरी विकास**: हरियाणा ने 2025-26 में अपने व्यय का 3.8% शहरी विकास के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा शहरी विकास के लिए औसत आवंटन (3.3%) से अधिक है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

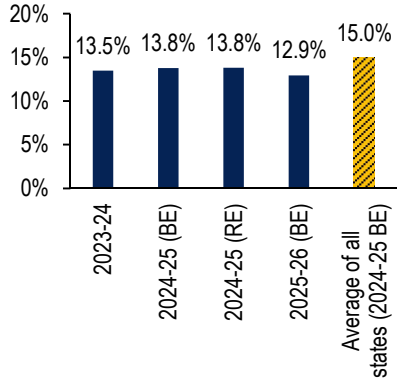

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

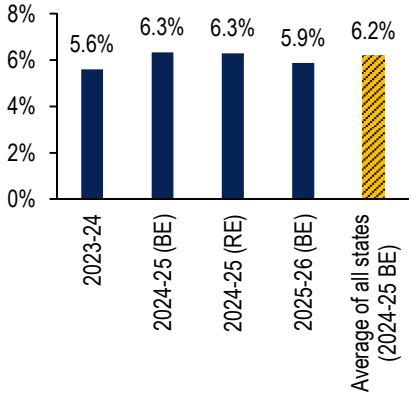

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

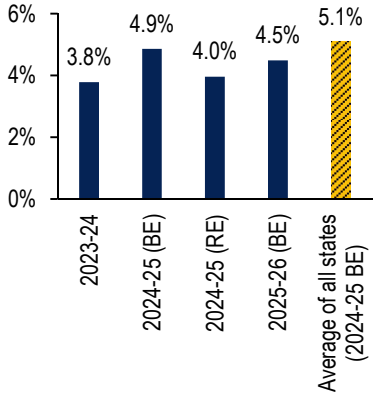

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

कुल बजट में सड़कों और पुलों पर व्यय का प्रतिशत

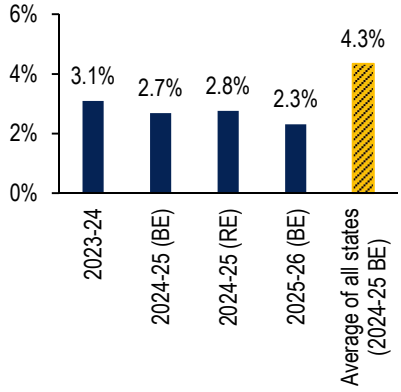

कुल बजट में कृषि पर व्यय का प्रतिशत

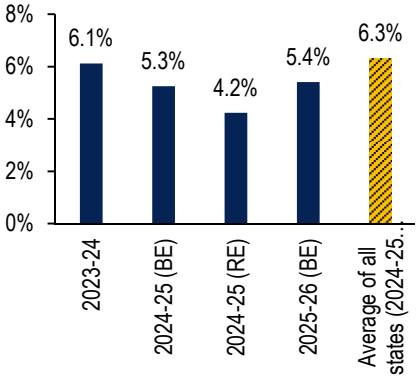

कुल बजट में शहरी विकास पर व्यय का प्रतिशत

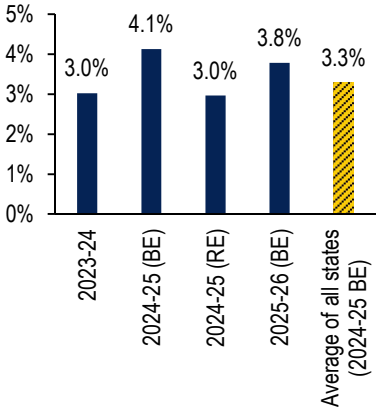

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े हरियाणा के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, हरियाणा बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**1,15,455**	**1,01,731**	**-12%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	1,09,122	1,01,315	-7%
क. स्वयं कर राजस्व	75,717	72,511	-4%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	12,651	8,103	-36%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	11,164	12,345	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	9,590	8,355	-13%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	6,333	416	-93%
3. उधारियां	84,840	88,721	5%
इनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण	1,000	1,702	70%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**1,48,730**	**1,33,172**	**-10%**
4. राजस्व व्यय	1,26,071	1,13,196	-10%
5. पूंजीगत परिव्यय	18,460	15,921	-14%
6. ऋण और अग्रिम	4,198	4,055	-3%
7. ऋण पुनर्भुगतान	55,220	59,194	7%
राजस्व घाटा	**16,949**	**11,881**	**-30%**
राजस्व घाटा (जीएसडीपी का %)	1.51%	1.1%	
राजकोषीय घाटा	**33,274**	**31,441**	**-6%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	2.96%	2.9%	
जीएसडीपी	11,23,320	10,85,510	-3%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के हरियाणा बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	12,550	10,529	-16%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	500	424	-15%
सेल्स टैक्स/वैट	12,950	11,331	-13%
भूराजस्व	25	22	-10%
राज्य उत्पाद शुल्क	11,500	11,326	-2%
राज्य जीएसटी	33,480	33,960	1%
वाहन कर	4,700	4,904	4%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के हरियाणा बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक कल्याण	983	632	-36%
ग्रामीण विकास	7,269	4,890	-33%
शहरी विकास	5,699	3,902	-32%
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	6,672	5,239	-21%
आवास	596	491	-18%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	8,717	7,241	-17%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	20,188	17,391	-14%
पुलिस	6,649	6,053	-9%
परिवहन	7,913	7,285	-8%
जिनमें से सड़कें और पुल	3,936	3,997	2%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	4,977	4,624	-7%
ऊर्जा	8,264	8,187	-1%
समाज कल्याण एवं पोषण	12,495	12,645	1%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	7,525	7,907	5%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के हरियाणा बजट दस्तावेज; पीआरएस।